मांग की लोच – Elasticity of Demand

माँग का नियम यह बताता है कि वस्तु के मूल्य में परिवर्तन होने से मांग मे परिवर्तन किस दशा में होगा। लेकिन मांग का नियम यह नहीं बताता है कि वस्तु के मूल्य में अल्प परिवर्तन होने से उसकी माँग में अधिक परिवर्तन क्यों होता है। इस आर्थिक घटना कि व्याख्या करने हेतु मार्शल ने अर्थशास्त्र के क्षेत्र में एक नया विचार दिया, जिसे माँग की लोच का नाम दिया गया।'लोच से अर्थ हैं, किसी वस्तु में घटने बढ़ने की शक्ति होना जैसे रबड़ को लोचदार कहते हैं, क्योंकि दबाव पड़ने पुर वह बढ़ जाता हैं और दबाव हटा लेने पर सिकुड़ जाता है।

प्रो. मेयर्स के शब्दों में – 'माँग की लोच कीमत में हुए थोडे से परिवर्तन के प्रत्युत्तर में खरीदी गयी मात्रा में होने वाले सापेक्षिक परिवर्तन की माप हैं, जो की कीमत के परिवर्तन में भाग देने पर प्राप्त हो।

इस प्रकार कीमत, आय, व अन्य वस्तुओ के मूल्यों मे सापेक्षिक परिवर्तन के परिणामस्वरूप मांग की मात्रा मे सापेक्षिक परिवर्तन की माप को माग की लोच कहेंगे।

मांग की लोच के प्रकार–

मांग की लोच के तीन प्रकार होगें

1:– मूल्य मांग की लोच

2:– आय मांग की लोच

3:– तिर्यक मांग की लोच

मूल्य मांग की लोच :–

किसी वस्तु के मूल्य में सापेक्षिक परिवर्तन के परिणाम स्वरूप वस्तु की मांगी गयी मात्रा में सापेक्षिक परिवर्तन की माप ही मूल्य मांग लोच है।

$$\text{Elasticity of Demand} = \frac{\text{Proportionate Change in Demand}}{\text{Proportionate Change in Price}}$$

$$\text{मांग में सापेक्षिक परिवर्तन} = \frac{\text{मांग में परिवर्तन}}{\text{पूर्व मांग}} = \frac{Q_2 - Q_1}{Q_1} = \frac{\Delta Q}{Q}$$

$$\text{मूल्य में सापेक्षिक परिवर्तन} = \frac{\text{मूल्य में परिवर्तन}}{\text{पूर्व मूल्य}} = \frac{P_2 - P_1}{P_1} = \frac{\Delta P}{P}$$

इस प्रकार मांग की लोच–

$$E_d = \frac{\text{Percentage change in quantity demanded}}{\text{Percentage change in price}}$$

$$E_d = \frac{\frac{\Delta Q}{Q}}{\frac{\Delta P}{P}} = \frac{P}{Q} \times \frac{\Delta Q}{\Delta P}$$

1. पूर्णतया लोचदार मांग (Ep = ∞) इस स्थिति में मांग वक्र आधार अक्ष के समानान्तर होगी। इस स्थिति में कीमत में सापेक्षिक परिवर्तन के परिणाम स्वरूप मांग में होने वाला सापेक्षिक परिवर्तन अनन्त होता हैं।

2. पूर्ण बेलोच मांग (Ep=o) जब मांग वक्र आधार अक्ष के लम्बवत है इस स्थिति मे कीमत में सापेक्षिक परिवर्तन के परिणाम स्वरूप मांग में सापेक्षिक परिवर्तन शून्य होता है।

3. समलोच मांग या इकाई के बराबर मूल्य मांग की लोच (Ep=1)इस स्थिति मूल्य में सापेक्षिक परिवर्तन के कारण मांग में सापेक्षिक परिवर्तन समान रहता है।

4. अधिक लोचदार मांग Highly Elastic Demand (Ep >1) जब किसी वस्तु के मूल्य में परिवर्तन के कारण मांग में सापेक्षिक परिवर्तन ज्यादा हो।

5 बेलोचदार मूल्य मांग की लोच :– (Ep<1)Inelastic Demand जब किसी वस्तु की कीमत में सापेक्षिक परिवर्तन के परिणामस्वरूप मांग में सापेक्षिक परिवर्तन कम हो

रेखाचित्र के माध्यम से विश्लेषण–

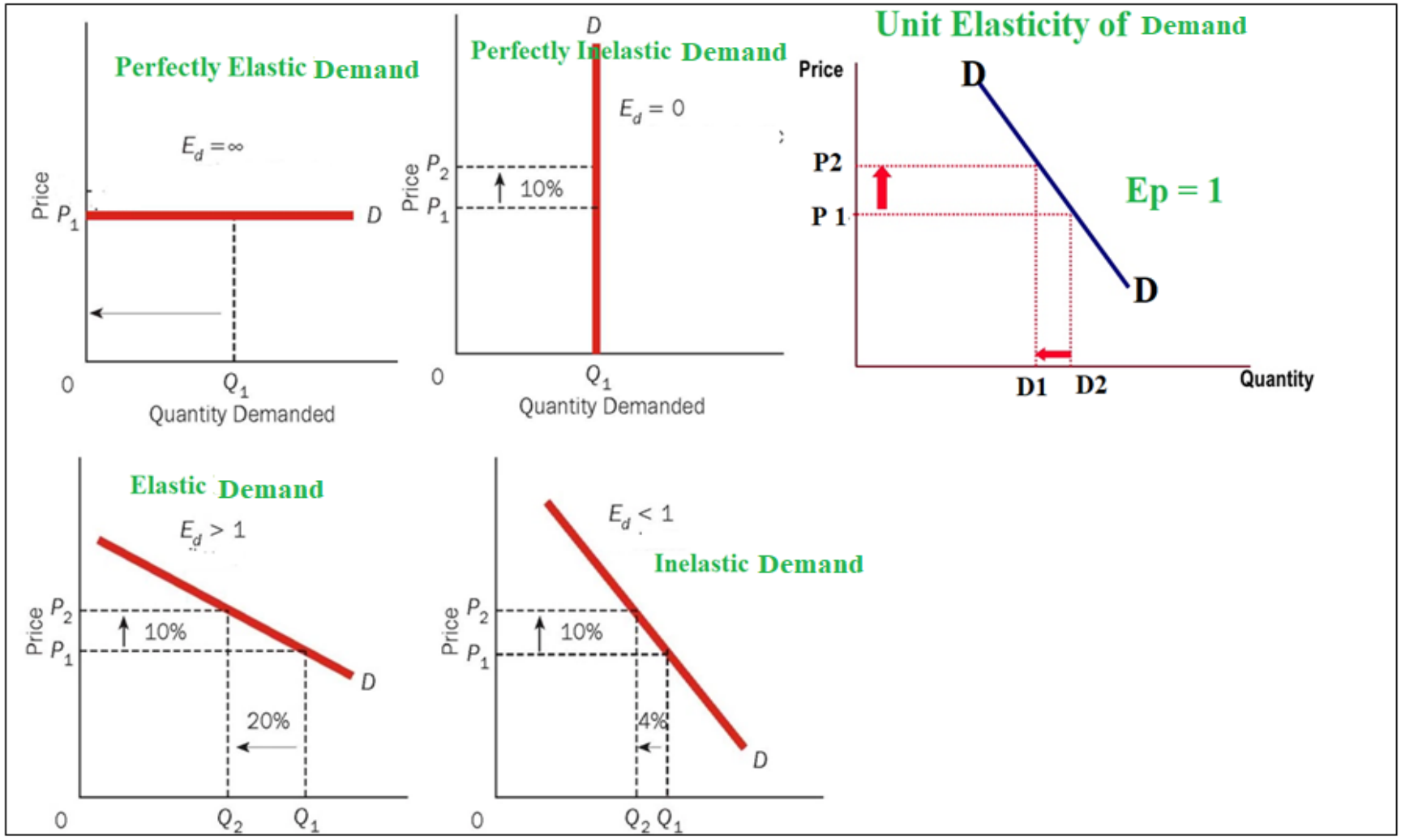

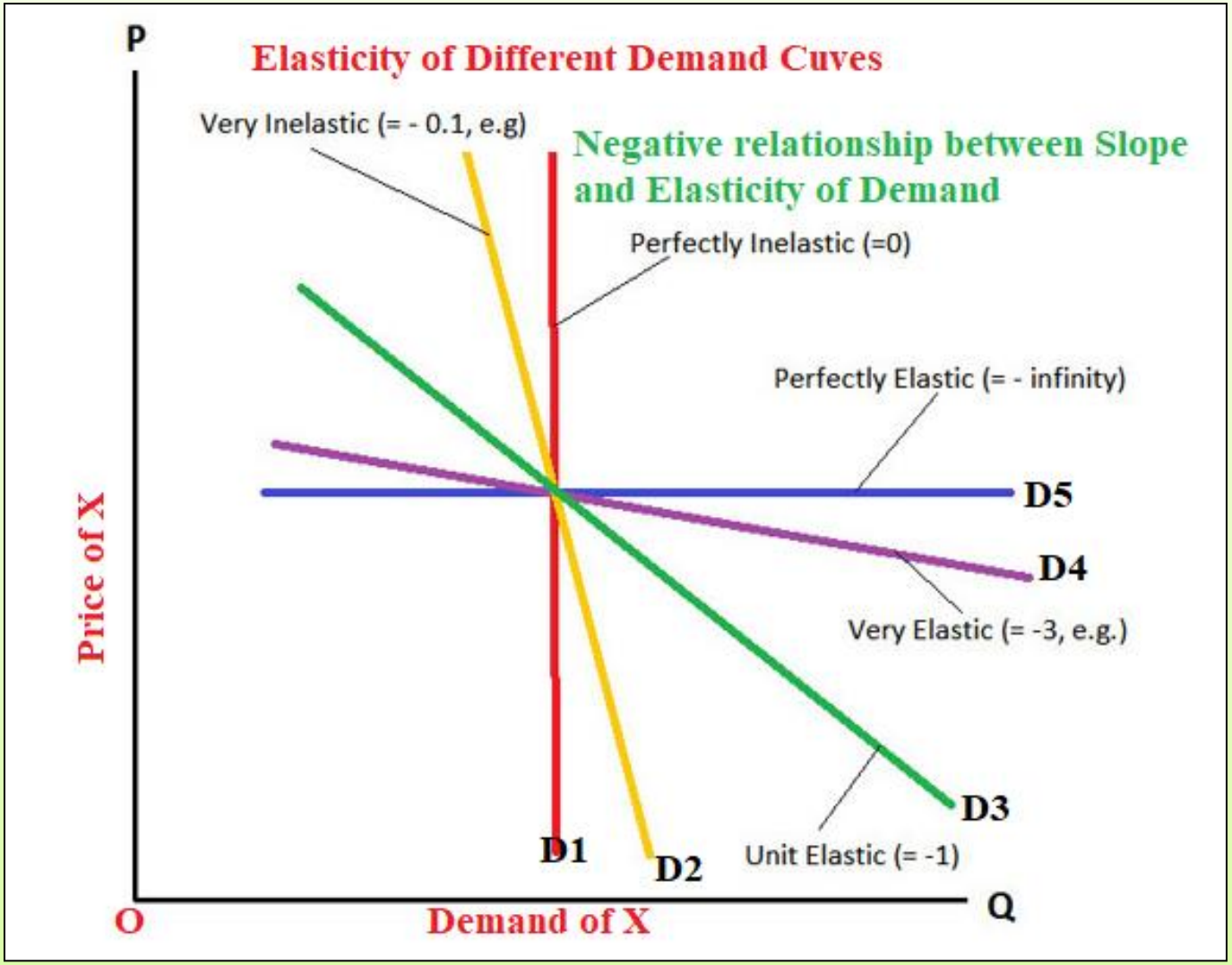
Elasticity of Different Demand Cuves
P
Very Inelastic (= - 0.1, e.g)
Negative relationship between Slope and Elasticity of Demand
Perfectly Inelastic (=0)
Perfectly Elastic (= - infinity)
D5
D4
Very Elastic (= -3, e.g.)
D3
D1
D2
Unit Elastic (= -1)
Price of X
O
Demand of X
Q